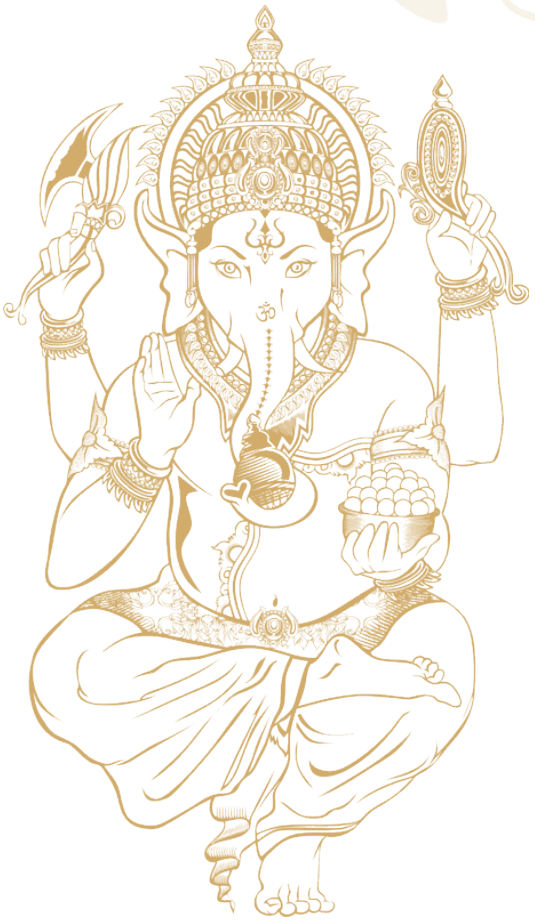

Mr.ranjit yadaw

24 Nov 2015

03:25 PM

Surat

Model: web-freekundliweb

Order No: 120846104

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**24/11/2015**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**15:25:00 घंटे**
इष्ट	21:15:22 घटी
स्थान	**Surat**
राज्य	Gujarat
देश	India

अक्षांश	21:10:00 उत्तर
रेखांश	72:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:46:20 घंटे
वेलान्तर	00:13:28 घंटे
साम्पातिक काल	18:58:30 घंटे
सूर्योदय	06:54:51 घंटे
सूर्यास्त	17:55:42 घंटे
दिनमान	11:00:51 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	07:42:37 वृश्चिक
लग्न के अंश	24:54:40 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	वरियान
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	लू-लूनेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	24:54:40	460:23:12	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	---
सूर्य			वृश्चि	07:42:37	01:00:38	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	मित्र राशि
चंद्र			मेष	16:41:21	14:46:58	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	सम राशि
मंगल			कन्या	12:48:04	00:35:37	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
बुध		अ	वृश्चि	11:33:47	01:33:56	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	सम राशि
गुरु			सिंह	26:09:10	00:07:35	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	मित्र राशि
शुक्र			कन्या	23:27:55	01:08:29	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	मंगल	नीच राशि
शनि		अ	वृश्चि	12:42:35	00:07:06	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	शत्रु राशि
राहु	व		कन्या	05:00:17	00:06:38	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	05:00:17	00:06:38	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मीन	22:53:49	00:01:31	रेवती	2	27	गुरु	बुध	चंद्र	---
नेप			कुंभ	12:56:59	00:00:12	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	---
प्लूटो			धनु	19:46:23	00:01:38	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	---
दशम भाव			धनु	19:23:08	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:04:43

लग्न-चलित

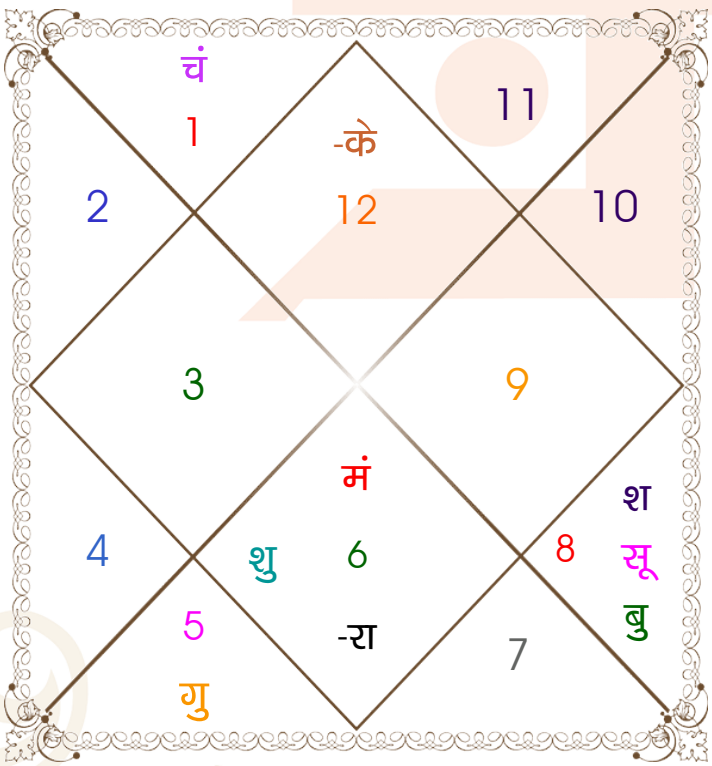

चन्द्र कुंडली

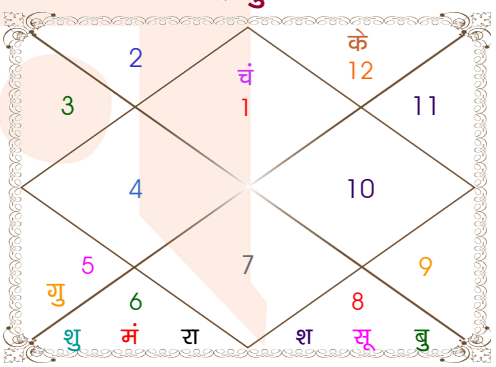

नवमांश कुंडली

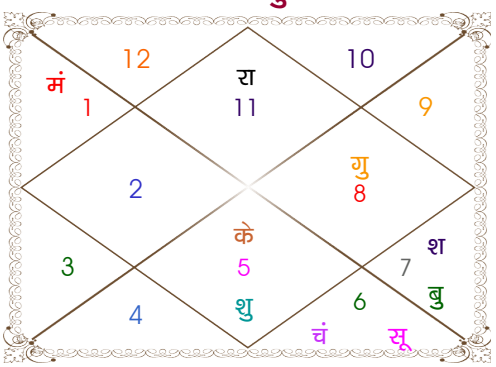

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 14 वर्ष 11 मास 18 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
24/11/2015		11/11/2030		11/11/2036		11/11/2046		11/11/2053	
11/11/2030		11/11/2036		11/11/2046		11/11/2053		12/11/2071	
00/00/0000		सूर्य	01/03/2031	चंद्र	11/09/2037	मंगल	10/04/2047	राहु	24/07/2056
24/11/2015		चंद्र	31/08/2031	मंगल	12/04/2038	राहु	27/04/2048	गुरु	18/12/2058
चंद्र	11/11/2016	मंगल	06/01/2032	राहु	12/10/2039	गुरु	03/04/2049	शनि	24/10/2061
मंगल	11/01/2018	राहु	29/11/2032	गुरु	10/02/2041	शनि	13/05/2050	बुध	12/05/2064
राहु	11/01/2021	गुरु	17/09/2033	शनि	12/09/2042	बुध	10/05/2051	केतु	31/05/2065
गुरु	12/09/2023	शनि	30/08/2034	बुध	11/02/2044	केतु	06/10/2051	शुक्र	31/05/2068
शनि	11/11/2026	बुध	07/07/2035	केतु	11/09/2044	शुक्र	05/12/2052	सूर्य	24/04/2069
बुध	11/09/2029	केतु	12/11/2035	शुक्र	13/05/2046	सूर्य	12/04/2053	चंद्र	24/10/2070
केतु	11/11/2030	शुक्र	11/11/2036	सूर्य	11/11/2046	चंद्र	11/11/2053	मंगल	12/11/2071

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
12/11/2071		12/11/2087		12/11/2106		13/11/2123		12/11/2130	
12/11/2087		12/11/2106		13/11/2123		12/11/2130		00/00/0000	
गुरु	30/12/2073	शनि	15/11/2090	बुध	10/04/2109	केतु	10/04/2124	शुक्र	14/03/2134
शनि	12/07/2076	बुध	25/07/2093	केतु	07/04/2110	शुक्र	10/06/2125	सूर्य	14/03/2135
बुध	18/10/2078	केतु	02/09/2094	शुक्र	05/02/2113	सूर्य	16/10/2125	चंद्र	25/11/2135
केतु	24/09/2079	शुक्र	02/11/2097	सूर्य	13/12/2113	चंद्र	17/05/2126		00/00/0000
शुक्र	25/05/2082	सूर्य	15/10/2098	चंद्र	14/05/2115	मंगल	13/10/2126		00/00/0000
सूर्य	13/03/2083	चंद्र	16/05/2100	मंगल	10/05/2116	राहु	01/11/2127		00/00/0000
चंद्र	12/07/2084	मंगल	25/06/2101	राहु	28/11/2118	गुरु	06/10/2128		00/00/0000
मंगल	18/06/2085	राहु	01/05/2104	गुरु	05/03/2121	शनि	15/11/2129		00/00/0000
राहु	12/11/2087	गुरु	12/11/2106	शनि	13/11/2123	बुध	12/11/2130		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 14 वर्ष 11 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। उस काल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आप द्विस्वभात्मक छवि के विद्वेष युक्त होते हुए भी धन एवं प्रसन्नता से युक्त आनंदप्रद जीवन व्यतीत करेंगे।

आप वास्तव में मीन राशीय द्विस्वभावत्मक प्रवृति के जातीय गुणों से युक्त हो। आप असंगतपूर्ण बातें सोचते हो। जिस प्रकार उदाहरण स्वरूप आप जब जन सामान्य व्यक्ति के साथ व्यवहार में बहादुरी एवं आक्रमणशील प्रवृति से उपस्थित होते हो, परंतु घर के मामले में बुद्धिहीनता से नहीं बल्कि बुद्धिमत्ता पूर्वक संकोची स्वभाव से पत्नी के समक्ष जाते हो क्योंकि यह संभव लगता है कि आप पत्नी के सेवक हो। इस प्रकार आप अपने व्यवसाय अथवा कार्य स्थल पर समय से पहुंच जाते हो। आप इस मामले में अत्यंत विश्वसनीय पात्र हैं। आप अपने अनुकूल विषयक बातों के लिए किसी के सामने झुकने वाले नहीं है।

आप व्यक्तिगत रूप से अपने अभिभावक एवं अन्य लोगो की दृष्टि में एक सक्षम कार्यकर्त्ता, आदरणीय, धार्मिक नेता, उदार एवं सहानुभूति करने वाले प्राणी हैं। ऐसा अनुभव करते है। आप अपने जीवन भर आनंदपूर्वक बिताएंगे एवं अत्यधिक धन संग्रह कर सकते हैं। आपका विचार यह रहता है कि किस प्रकार वासनात्मक जीवन व्यतीत किया जाए। आप संतुलित ढंग से समय पर अपनी समर्पित जीवन संगिनी के समक्ष प्रदर्शन करेंगे। परंतु आपका गुप्त रूप से प्रेम प्रसंग में अन्य के प्रति झुकाव हो। यदि आप नारी के प्रति विरोधात्मक रूख आपनाएंगे तो आपका घरेलू वातावरण दूषित हो सकता है। आप यदि अपनी लोलुपता को रोक दें तो आपके समक्ष किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होगी।

इस प्रकार आप अत्यंत व्यवहार कुशल प्रवृति के व्यक्ति हो तथा अपने जीवन में सफल होंगे। इसी प्रकार आप दिवा स्वप्न देखते रहें कि प्रत्येक बार सुख ही सुख प्राप्त हो तो वास्तविकता आप से लुप्त हो जाएगी। आपके लिए आवश्यक है कि नीची विचार धारा से भूमि पर अवतरित हो कर, अपने हस्ताक्षरित कार्य के संपादन हेतु कठिन श्रम एवं समर्पण की भावना से युक्त हो कर कार्य संपादन करें तो निश्चित रूप से आपके हित में लाभदायक प्रमाणित होगा।

आप इस प्रकार अन्य लोगों की प्रतिज्ञा एवं विशेषता पर आश्रित रहना छोड़ दे, क्योंकि प्रायः लोग किसी प्रकार की वचन बद्धता को मात्र कागजी समझते हैं। आपको अपने कार्य व्यवसाय के लिए बाहरी सहयोग के उपर आश्रित रहने के बजाय अपना कार्य अपने हाथों से संपादन करना चाहिए।

आप उच्चकोटि के धार्मिक व्यक्ति हैं। आप आदर्श स्वरूप अपने विचारों के अनुरूप यह चिंतन करें कि धर्म दर्शन को किस प्रकार ग्रहण किया जाए। वैसे मीन राशीय प्रवृति के व्यक्ति को बुनियादी तौर पर पराज्ञान एवं प्राचीन विस्तृत वस्तुओं का अन्वेषण कर यह शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए एवं आशावान बन कर अंत में पुर्नजन्म न हो। इसके लिए शिक्षा ग्रहण

करनी चाहिए। धार्मिक व्यक्ति सुगमता पूर्वक स्वतः अभ्यास कर सांसारिक सुखों के विषय में अच्छी प्रकार अपनी उपस्थिति अंकित कराते हैं।

प्रत्येक प्राणी कुछ रोगादि अथवा अन्य रोगादि के प्रति सशंकित रहते हैं अथवा रोग ग्रस्त होने से आशंकित रहते हैं। अतः आप भी वर्षों बाद स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से संबंधित हो सकते है तथा आप कर्ण रोग और आंत्र विकृति से प्रभावित हो सकते हैं। यदि आप रोग के आक्रमण के पूर्व ही सतर्कता बरतें एवं अपने चिकित्सक से विचार विमर्श करें तो आप अंत में कठिन रोग को कम कर सकते हैं। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो जैसा सब के साथ होता है वैसी शारीरिक समस्या आपके साथ भी उत्पन्न हो सकती है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के अन्य बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार ये तीनों दिन आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक सर्वथा अनुकूल एवं उत्तम भाग्यशाली है, परंतु अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल है।

आप नीले रंग का व्यवहार कदापि नहीं करे। आपके लिए मात्र लाल, गुलाबी, नारंगी एवं हरा रंग अनुकूल उत्तम एवं मनभावन है।